		सन्दर्भग्रन्थ - • भारतीय दर्शन की रूपरेखा - प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा • भारतीय दर्शन - दत्ता और चटर्जी			

ICE = Internal-continuous-Evaluation

- पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) : 15 अंक
- लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) : 10 अंक

ETE = End-Term-Exam

Letter Grade	Grade Point	Description	Range of Marks
O	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-49
C	5	Average	40-39
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	00-34
AB	0	Absent	Absent

प्रस्ताव संख्या 3 - कर्मकाण्ड पौरोहित्य विषय में एकवर्षीय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम को सत्र 2023-24 से लागू करने पर विचार

समिति का निर्णय (BOS)

➢ कर्मकाण्ड प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम को लागू करने हेतु विद्यापरिषद् में पास कराने हेतु प्रस्ताव रखा जाय-

संस्कृत विभाग
द्वारा संचालन हेतु प्रस्तावित
एकवर्षीय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
कर्मकाण्ड (पौरोहित्य)
Diploma in Karmakāṇḍ (Paurohitya)
अर्हता - स्नातक उत्तीर्ण
शुल्क - 4000/- (पंजीकरण एवं परीक्षा शुल्क सहित)

उद्देश्य :

योऽनुचानः स नो महान् इति श्रुति वचन के अनुसार ऋचाओं का अनुशीलन करनेवाला मनुष्य महान् बनता है तथा *यो जागार तम् ऋचः कामयन्ते* अर्थात् जो मनुष्य नित्य ज्ञान प्राप्ति के लिये पिपासु रहता है, ऋचायें भी उसके अभ्युदय की कामना करती हैं। ज्ञान और संस्कार व्यक्ति को साधारण से असाधारण, सामान्य से विशेष,

मनुष्य से महामानव, अल्पज्ञ से सर्वज्ञ, अज्ञानी से ज्ञानी और सुसंस्कृत बनाने के लिये अभिप्रेरित करते हैं। *ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः इति* औपनिषदिक मंत्र के अनुसार ज्ञान और संस्कार प्रत्येक भारतीय के लिये आवश्यक है। आज वैश्विक पटल पर मानवजनित अनेक समस्यायें दृष्टिगोचर होती हैं। आतङ्कवाद, अलगाववाद, नक्सलवाद जैसी अति सङ्कुचित विचारधारायें सम्पूर्ण विश्व, प्रकृति के सौन्दर्य एवं उसकी अपरिमितता को नश्वरशील बनाने हेतु उद्यत होकर नर्तन करती हुई अनुभूतिगम्य हो रहीं हैं। इन्हीं विचारधाराओं से मनुष्य एवं प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिये वर्तमान में वैदिक ज्ञान एवं श्रौत साहित्य में वर्णित संस्कार अति प्रासङ्गिक परिलक्षित हो रहे हैं। यूनेस्को के समक्ष जो वैदिक वाङ्मय को रखा गया तो महामनीषियों ने यह बात अत्यन्त उन्मुक्त कण्ठ से स्वीकार की। सम्पूर्ण विश्व एवं मानव-जाति के लिये वैदिक वाङ्मय एवं उसमें प्रतिपादित ज्ञान आनेवाली पीढ़ियों के लिये सुरक्षित रखना आवश्यक है। चूँकि इस प्रकार का ज्ञान सम्पूर्ण मानव जाति के लिये दुर्लभ है। यह भी हम नहीं कह सकते कि आगामी पीढ़ी इस अपौरुषेय अथवा पौरुषेय वैदिक वाङ्मय का पुनः सर्जन करने में सशक्त हो सकेगी। अतः वैदिक वाङ्मय अन्ताराष्ट्रिय धरोहर के रूप में सुरक्षित किया गया है। 2008 में उक्त संस्था ने Global Heritage का उद्घोष किया तथापि यदि इस ज्ञान व संस्कार से मानव-समाज एवं बालकों को संस्कारित करना बहुत आवश्यक है। आनेवाली पीढ़ियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उन्हें अपने ज्ञान और संस्कारों को अपनाने के लिये तदनुसार आचरण करने के लिये एवं राष्ट्र, समाज, परिवेश को सुसभ्य, सुसंस्कृत, निःश्रेयस् हेत प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, संस्कृत विभाग के माध्यम से एकवर्षीय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम के सञ्चालन का निर्णय किया गया है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से श्रौत एवं स्मार्त परम्परा, पूजन-पद्धति, जप-पाठ विधि, यज्ञ-विधि, प्रस्थानत्रयी (उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र व श्रीमद्भगवद्गीता) तथा वेदान्तविद्या के सभी प्रस्थानों जैसे- अद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद, द्वैतवाद, अचिन्त्यभेदाभेद, शक्तिविशिष्टाद्वैतवाद, शैवविशिष्टा-द्वैतवाद, अविभागाद्वैतवाद, स्वरूपाद्वैतवाद, भेदाभेदवाद के सारतम अंश का एवं षोडश संस्कारों के शास्त्रीय पद्धति के अनुसार अध्यापन कराना इस प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम का ध्येय है।

इस पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रमुख बिन्दु इस प्रकार हैं-

- यह पाठ्यक्रम एकवर्षीय होगा।
- इस पाठ्यक्रम के प्रत्येक सत्र में कुल पाँच प्रश्नपत्र होंगे।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा।
- इस प्रकार कुल 500 अंकों का प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम निर्धारित होगा।
- प्राप्तांक के आधार पर प्रथम श्रेणी 60%, द्वितीय श्रेणी 50% तथा तृतीय श्रेणी 40% होगी।
- 40 % से कम अंक प्राप्त करनेवाले छात्र-छात्राएँ अनुतीर्ण होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र- पूजन-पद्धति

- पूजन पद्धति क्रम
- पवित्रीकरण
- तिलकधारण
- आचमन
- शिखा बन्धन
- स्वस्तिवाचन - शान्तिपाठ
- देवतार्थ नमस्कार
- संकल्प
- भूमि पूजन
- दिक्शुद्धि (पौरोहित्य)
- दीप पूजन
- शंख पूजन

- घण्टा पूजन
- षोडशोपचारपूजनविधि
- शान्तिपाठ
- पुरुषसूक्त
- नवग्रहमन्त्र
- षोडशोपचार पूजन मन्त्र
- श्राद्ध कर्म
- यज्ञकर्म
- रुद्राभिषेक

सहायक ग्रन्थ

- नित्यकर्म पूजा प्रकाश
- मन्त्र संहिता
- वेदीपूजन

द्वितीय प्रश्नपत्र - विशिष्ट देवपूजन एवं स्तोत्र

- गणपति पूजन
- मण्डलमातृकापूजन
- सप्तघृतमातृकापूजन
- नवग्रहदेवतापूजन
- असंख्यातरुद्रकलशपूजन
- कलशस्थापन विधि
- नवग्रह स्तोत्र
- गणपति अथर्वशीर्ष पाठ
- श्रीसूक्त पाठ
- कनकधारा स्तोत्र
- सत्यनारायण पूजन
- विष्णुयज्ञ, चण्डीयज्ञ, सोमयाग एवं सभी यागों का परिचय एवं प्रयोजन

सहायक ग्रन्थ

- मन्त्रमहौषधि
- कर्मविपाक
- निर्णयसिन्धु

द्वितीय प्रश्नपत्र - हवनविधि एवं ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय

- सन्ध्योपासनविधि
- तर्पणविधि
- पञ्चाङ्ग का अभिज्ञान
- ग्रह
- नक्षत्र
- तिथि
- वार
- योग
- करण
- राशि
- अग्निवास
- आहुतशुद्धि

- कुण्डलीनिर्माण एवं फलादेश
- हवनविधि
- यज्ञयन्त्रपरिचय
- होमद्रव्य
- यज्ञीयसामग्री
- पंचभू संस्कार
- कुशकण्डिका
- विविध मन्त्रों का जप, अनुष्ठान आदि

सहायक ग्रन्थ

- नित्यकर्मपूजाप्रकाश
- कर्मकाण्डभास्कर
- श्रुतिप्रयोग संग्रह
- दुर्गार्चन पद्धति

चतुर्थ प्रश्नपत्र- संस्कार-अभिज्ञान

- वैदिक संस्कारों का सामान्य परिचय
- संस्कारों का मनोवैज्ञानिक स्वरूप
- संस्कारों की आवश्यकता : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में
- संस्कारों का वैज्ञानिक पक्ष
- अन्तर्गर्भ संस्कार-
    - गर्भाधान संस्कार
    - पुंसवन संस्कार
    - सीमन्तोन्नयन संस्कार
- बहिर्गर्भ संस्कार
    - जातकर्म संस्कार, नामकरण संस्कार, निष्क्रमण संस्कार,
    - अन्नप्राशन संस्कार, चूडाकरण (मुण्डन) संस्कार, विद्यारम्भ संस्कार
    - कर्णवेध संस्कार, यज्ञोपवीत(उपनयन) संस्कार,
    - वेदारम्भ संस्कार, केशान्त संस्कार, समावर्तन संस्कार,
    - पाणिग्रहण (विवाह) संस्कार

      अष्टविध विवाह-
        - ब्राह्म-विवाह
        - प्राजापत्य-विवाह
        - दैव-विवाह
        - आर्ष-विवाह
        - गान्धर्व-विवाह
        - आसुर-विवाह
        - राक्षस-विवाह
        - पैशाच-विवाह
- अन्त्येष्टि संस्कार

पंचम प्रश्नपत्र- वेदान्तविद्या

- भारतीय दर्शन में वेदान्त दर्शन
- वेदान्त दर्शन : दार्शनिक पृष्ठभूमि
- वेदान्त दर्शन की शाखायें
- अद्वैतवेदान्तदर्शन

- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वेदान्त दर्शन की प्रासङ्गिकता
- जीव, जगत् और ब्रह्म का स्वरूप

सहायक ग्रन्थ -

- भारतीय दर्शन की रूपरेखा
- वेदान्तसार
- वेदान्त दर्शन का इतिहास

प्रस्ताव संख्या 4 - पाठ्यक्रम में महापुरुषों एवं स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों की जीवनी एवं व्यक्तित्व के समावेश पर विचार

समिति का निर्णय (BOS)

- संस्कृत स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भारत के महापुरुषों, महामनीषियों का जीवन-दर्शन, तत्त्वदृष्टि, राष्ट्रगौरव, सांस्कृतिक महत्त्व आदि विषय बहुलता से पढ़ाये जाते हैं।

संयोजक ने सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अनन्तर बैठक सम्पन्न हुई।

PROF. RAJENDRA SINGH (RAJJU BHAIYA) UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

Program: M.A. Subject: SANSKRIT

Structure of Syllabus Developed by			
Name of BoS Convener/ BoS Member	Designation	Department	College/ University
डॉ. मनमोहन तिवारी	एसोसिएट प्रोफेसर	संस्कृत	संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

Course Code		Course Title	Credits	T/P	Evaluation	
					CIE	ETE
A	B	C	D	E	F	G
SEMESTER I (YEAR I)						
A020701T	CORE	**प्रथम प्रश्नपत्र - वेद** **ईकाई 1 -** ऋग्वेद - सवितृसूक्त (1/35), मरुत्सूक्त (1/85) तथा सूर्यसूक्त (1/115) **ईकाई 2 -** ऋग्वेद - रुद्र सूक्त (2/35), मित्रसूक्त (3/59) तथा उषस्-सूक्त (4/51) **ईकाई 3 -** ऋग्वेद - मित्रावरुणौ सूक्त (7/61), अश्विनौ सूक्त (7/71) तथा वरुण-सूक्त 7/86) **ईकाई 4 -** ऋग्वेद - पर्जन्य सूक्त (5/83), अक्ष सूक्त (10/34) तथा सृष्टि-सूक्त (10/129) **ईकाई 5 -** पदपाठ, स्वरांकन एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी **सन्दर्भग्रन्थ -** • ऋग्वेद - सायणभाष्य सहित • ऋक्सूक्तसंग्रह - डॉ. हरिदत्त शास्त्री • वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी • The New Vedic Selection – Tailang and Chaubey • Hymns from the Rgveda – A. A. MacDonnell • Hymns from the Rgveda – Peter Peterson	5	T	25	75
A020702T	CORE	**द्वितीय प्रश्नपत्र - व्याकरण तथा भाषाविज्ञान** **ईकाई 1 -** अजन्त पुँल्लिग - राम, सर्व, हरि **ईकाई 2 -** अजन्त स्त्रीलिंग - रमा, मति, श्री अजन्त नपुंसकलिंग - ज्ञानम् **ईकाई 3 -** हलन्त पुँल्लिग - इदम्, राजन् हलन्त स्त्रीलिंग तथा नपुंसकलिंग - उपानत्, चतुर् , धनुष् **ईकाई 4 -** भाषा का स्वरूप एवं प्रकृति, भाषाविज्ञान की परिभाषा, मुख्य अंग, गौण अंग एवं उपयोगिता, प्राचीन भारत में भाषावैज्ञानिक कार्य, संस्कृत ध्वनियों का स्वरूप, स्थान एवं प्रयत्न, ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ, ध्वनिनियम - ग्रिम, ग्रासमान तथा वर्नर नियम। **ईकाई 5 -** अर्थविज्ञान - अर्थपरिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ, भाषिक वर्गीकरण - आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण की सामान्य रूपरेखा, भारोपीय भाषा परिवार की विशेषताएँ तथा भाषाएँ, भारत-ईरानी भाषापरिवार, केन्तुम् और शतम् के आधार पर भारोपीय परिवार का वर्गीकरण, संस्कृत का क्रमिक विकास - प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा - पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश का	5	T	25	75

मनमोहन तिवारी

		सामान्य परिचय **सन्दर्भग्रन्थ -** • लघुसिद्धान्तकौमुदी - भैमी व्याख्या • लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्द शास्त्री • लघुसिद्धान्त कौमुदी - महेश सिंह कुशवाहा • भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा • भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी • सामान्य भाषाविज्ञान - बाबूराम सक्सेना • भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह				
A020703T	CORE	तृतीय प्रश्नपत्र - भारतीय दर्शन **ईकाई 1 -** तर्कभाषा - प्रमाण पदार्थ तथा प्रत्यक्ष निरूपण **ईकाई 2 -** तर्कभाषा - अनुमान तथा उपमान निरूपण **ईकाई 3 -** तर्कभाषा - शब्द निरूपण से प्रमेय निरूपण पर्यन्त **ईकाई 4 -** तर्कभाषा - भारतीय षड् आस्तिक दर्शनों का परिचय **ईकाई 5 -** तर्कभाषा - भारतीय नास्तिक दर्शनों का परिचय **सन्दर्भग्रन्थ -** • तर्कभाषा - बदरीनाथ शुक्ल • तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर • तर्कभाषा - गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर • तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री • भारतीय दर्शन - डॉ. राधाकृष्णन • भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा • भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र	5	T	25	75
A020704T	FIRST ELECTIVE (Select any one)	चतुर्थ प्रश्नपत्र - काव्यशास्त्र **ईकाई 1 -** काव्यप्रकाश - प्रथम उल्लास **ईकाई 2 -** काव्यप्रकाश - द्वितीय उल्लास - तात्पर्या पर्यन्त **ईकाई 3 -** काव्यप्रकाश - द्वितीय उल्लास - लक्षणा निरूपण **ईकाई 4 -** काव्यप्रकाश - प्रथम उल्लास - व्यञ्जना निरूपण **ईकाई 5 -** काव्यप्रकाश - तृतीय उल्लास **सन्दर्भग्रन्थ -** • काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर • काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री • काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह	5	T	25	75
A020705T		अथवा चतुर्थ प्रश्नपत्र - काव्य का सामान्य परिचय **ईकाई 1 -** **ईकाई 2 -** **ईकाई 3 -** **ईकाई 4 -** **ईकाई 5 -** **सन्दर्भग्रन्थ -**				

A020706P	SECOND ELECTIVE (Select any one)	पञ्चम प्रश्नपत्र - परियोजना प्रस्तुति / मौखिकी परीक्षा	4	P	50
A020707P		अथवा पञ्चम प्रश्नपत्र - सांस्कृतिक स्थलीय निरीक्षण			
SEMESTER II (YEAR I)					
A020801T	CORE	**प्रथम प्रश्नपत्र वैदिक साहित्य** **ईकाई 1 -** निरुक्त प्रथम अध्याय - प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पाद **ईकाई 2 -** निरुक्त प्रथम अध्याय - चतुर्थ, पंचम तथा षष्ठ पाद **ईकाई 3 -** बृहद्देवता - 1 से 75 श्लोक **ईकाई 4 -** क - बृहद्देवता - शेष भाग ख - तैत्तिरीयोपनिषद्- ब्रह्मानन्द वल्ली - प्रथम तथा द्वितीय अनुवाक **ईकाई 5 -** तैत्तिरीयोपनिषद्- ब्रह्मानन्द वल्ली - शेषभाग **सन्दर्भग्रन्थ -** • निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर • निरुक्त - डॉ. कपिलदेव शास्त्री • बृहद्देवता - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी • तैत्तिरीयोपनिषद् शांकरभाष्यसमेत - गीताप्रेस गोरखपुर	5	T	25
A020802T	CORE	**द्वितीय प्रश्नपत्र - व्याकरण, पालि तथा प्राकृत** **ईकाई 1 -** तिङन्त प्रकरण - भू धातु - लट्, लिट्, लुट्, लृट् तथा लोट् लकारों की रूपसिद्धि **ईकाई 2 -** तिङन्त प्रकरण - भू धातु - लङ्, लिङ्, लुङ् तथा लृङ् लकारों की रूपसिद्धि **ईकाई 3 -** तिङन्त प्रकरण - अद्, हु, दिव्, सु, तुद्, रुध्, तन्, क्री तथा चुर् धातुओं की रूपसिद्धि **ईकाई 4 -** धम्मपद - यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो तथा पुप्फवग्गो **ईकाई 5 -** कर्पूरमंजरी - प्रथम जवनिकान्तर **सन्दर्भग्रन्थ -** • लघुसिद्धान्तकौमुदी - भैमी व्याख्या • लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्द शास्त्री • लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्रीनिवास शास्त्री • धम्मपद - कलछेदी लाल गुप्त • धम्मपद - सत्यप्रकाश शर्मा • कर्पूरमंजरी - चुन्नीलाल शुक्ल • कर्पूरमंजरी - गंगासागर राय	5	T	25
A020803T	CORE	**तृतीय प्रश्नपत्र - भारतीय दर्शन** **ईकाई 1 -** वेदान्तसार - खण्ड 1 - 20 **ईकाई 2 -** वेदान्तसार - खण्ड 21 - 49 **ईकाई 3 -** वेदान्तसार - खण्ड 50 - 68 **ईकाई 4 -** सांख्यकारिका - कारिका 1 - 30 **ईकाई 5 -** सांख्यकारिका - कारिका 31 -72 **सन्दर्भग्रन्थ -** • वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव • वेदान्तसार - डॉ. कृष्ण कान्त • सांख्यतत्त्वकौमुदी प्रभा - डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र • सांख्यकारिका - रामकृष्ण	5	T	25

A020804T	THIRD ELECTIVE (Select any one)	चतुर्थ प्रश्नपत्र - काव्यशास्त्र एवं प्रकरण ईकाई 1 - काव्यप्रकाश - नवम उल्लास ईकाई 2 - काव्यप्रकाश - दशम उल्लास (अतिशयोक्ति अलंकार पर्यन्त) ईकाई 3 - काव्यप्रकाश - दशम उल्लास - शेषभाग ईकाई 4 - मृच्छकटिकम् - अंक 1 से 4 तक ईकाई 5 - मृच्छकटिकम् - अंक 5 से 10 तक सन्दर्भग्रन्थ - • काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर • काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री • काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह • मृच्छकटिकम् - डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी • मृच्छकटिकम् - डॉ. गंगासागर राय • मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री	5	T	25
A020805T		अथवा चतुर्थ प्रश्नपत्र -- दृश्यश्रव्यकाव्यपरिचय ईकाई 1 - ईकाई 2 – ईकाई 3 – ईकाई 4 - ईकाई 5 - सन्दर्भग्रन्थ –			
A020806P	FOURTH ELECTIVE (Select any one)	पञ्चम प्रश्नपत्र - परियोजना प्रस्तुति / मौखिकी परीक्षा	4	P	50
A020807P		अथवा पञ्चम प्रश्नपत्र - पाणिनीय शिक्षा का प्रायोगिक परिचय			
		SEMESTER III (YEAR II)			
A020901T	CORE	प्रथम प्रश्नपत्र - संस्कृत साहित्य का इतिहास ईकाई 1 - वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ईकाई 2 - उपजीव्य काव्य - रामायण तथा महाभारत का परिचय ईकाई 3 - महाकाव्य - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख महाकाव्यों का परिचय ईकाई 4 - नाटक - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख नाटकों का परिचय ईकाई 5 - खण्डकाव्य - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख खण्डकाव्यों का परिचय सन्दर्भग्रन्थ - • संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय • वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी • संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. ए. बी. कीथ	5	T	25

		• संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय • संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी • संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी			
A020902T	CORE	द्वितीय प्रश्नपत्र - व्याकरण तथा अनुवाद ईकाई 1 - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) -प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति ईकाई 2 - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) - तृतीया, चतुर्थी तथा पंचमी विभक्ति ईकाई 3 - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) - षष्ठी तथा सप्तमी विभक्ति ईकाई 4 - महाभाष्य - पश्पशाह्निक - आरम्भ से "शास्त्रपूर्वके प्रयोगेऽभ्युदयस्तत्तुल्यं वेदशब्देन (सू. 13)" तक ईकाई 5 - क - महाभाष्य – पश्पशाह्निक - शेष भाग ख - अनुवाद - हिन्दी से संस्कृत सन्दर्भग्रन्थ - • कारक प्रकरण - श्रीनिवास शास्त्री • कारक प्रकरण - डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र • कारक प्रकरण - डॉ. राजकिशोरमणि पाण्डेय • महाभाष्यम् - युधिष्ठिर मीमांसक • महाभाष्य - पश्पशाह्निक - राजकिशोरमणि त्रिपाठी • व्याकरण महाभाष्य - चारुदेव शास्त्री	5	T	25
A020903T	CORE	तृतीय प्रश्नपत्र - काव्यशास्त्र तथा काव्य ईकाई 1 - काव्यप्रकाश - चतुर्थ उल्लास -रसस्वरूपपर्यन्त (सू. 43) ईकाई 2 - काव्यप्रकाश - चतुर्थ उल्लास - शेष भाग ईकाई 3 - काव्यप्रकाश - पंचम उल्लास ईकाई 4 - नलचम्पू - प्रथम उच्छ्वास ईकाई 5 - अन्योक्तिविलासः सन्दर्भग्रन्थ - • काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर • काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री • काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह • नलचम्पू - धारादत्त शास्त्री • नलचम्पू - कैलाशपति त्रिपाठी • अन्योक्तिविलासः - डॉ. राजदेव मिश्र • अन्योक्तिविलासः - डॉ. तरिणीश झा	5	T	25
A020904T	FIFTH ELECTIVE (Select any one)	चतुर्थ प्रश्नपत्र - नाट्यशास्त्र एवं नाटक ईकाई 1 - दशरूपकम् - प्रथम प्रकाश ईकाई 2 - दशरूपकम् - द्वितीय प्रकाश ईकाई 3 - दशरूपकम् - तृतीय एवं चतुर्थ प्रकाश ईकाई 4 - उत्तररामचरितम् - 1 - 3 अंक ईकाई 5 - उत्तररामचरितम् - 4 - 7 अंक सन्दर्भग्रन्थ - • दशरूपकम् - डॉ. भोजराज पाण्डेय • दशरूपकम् - डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी • दशरूपकम् - डॉ. भोलाशंकर व्यास • उत्तररामचरितम् - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी • उत्तररामचरितम् - ब्रह्मानन्द शुक्ल	5	T	25
A020905T		अथवा चतुर्थ प्रश्नपत्र – साहित्यमीमांसा ईकाई 1 -			

		ईकाई 2 – ईकाई 3 – ईकाई 4 – ईकाई 5 – सन्दर्भग्रन्थ		
A020906P	SIXTH ELECTIVE (Select any one)	पञ्चम प्रश्नपत्र - परियोजना प्रस्तुति / मौखिकी परीक्षा	4	P
A020907P		अथवा पञ्चम प्रश्नपत्र - प्रायोगिक संस्कृत		

SEMESTER IV (YEAR II)

A0201001T	CORE	प्रथम प्रश्नपत्र - संस्कृत साहित्य का इतिहास ईकाई 1 - गद्यकाव्य - उद्भव तथा विकास, प्रमुख गद्यकाव्यों का परिचय ईकाई 2 - चम्पूकाव्य - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख चम्पूकाव्यों का परिचय ईकाई 3 - कथा साहित्य - उद्भव तथा विकास, प्रमुख कथाग्रन्थों का परिचय ईकाई 4 - मुक्तककाव्य - उद्भव तथा विकास, प्रमुख मुक्तककाव्यों का परिचय ईकाई 5 - अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय सन्दर्भग्रन्थ - • संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय • वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी • संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. ए. बी. कीथ • संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय • संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी • संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - डॉ. सत्यकेतु विद्यालंकार • संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	5	T
01002T	CORE	द्वितीय प्रश्नपत्र - व्याकरण तथा निबन्ध ईकाई 1 - कृत्य प्रक्रिया तथा पूर्वकृदन्त ईकाई 2 - उणादि प्रत्यय तथा उत्तरकृदन्त ईकाई 3 - तद्धित प्रकरण - अपत्याधिकार ईकाई 4 - तद्धित प्रकरण - भौमिक तथा मत्वर्थीय ईकाई 5 - संस्कृत में निबन्ध	5	T

		सन्दर्भग्रन्थ - • लघुसिद्धान्तकौमुदी - भैमी व्याख्या • लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्द शास्त्री • लघुसिद्धान्तकौमुदी - श्रीनिवास शास्त्री • संस्कृतनिबन्धशतकम् - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी				
A0201003T	CORE	तृतीय प्रश्नपत्र - काव्यशास्त्र **ईकाई 1 -** काव्यप्रकाश - षष्ठ तथा सप्तम उल्लास - पददोष पर्यन्त **ईकाई 2 -** काव्यप्रकाश - सप्तम उल्लास - शेष भाग **ईकाई 3 -** काव्यप्रकाश - अष्टम उल्लास **ईकाई 4 -** ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत - कारिका - 1 - 10 **ईकाई 5 -** ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत - कारिका - 11 - 19 **सन्दर्भग्रन्थ -** • काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर • काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री • काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह • ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर • ध्वन्यालोक - डॉ. रामसागर त्रिपाठी	5	T	25	75
A0201004T	SEVENTH ELECTIVE (Select any one)	चतुर्थ प्रश्नपत्र – काव्य **ईकाई 1 -** नैषधीयचरितम् - प्रथम सर्ग - श्लोक 1 - 70 **ईकाई 2 -** नैषधीयचरितम् - प्रथम सर्ग - श्लोक 71 - 145 **ईकाई 3 -** कादम्बरी कथामुखम् - आरम्भ से शुकसंवादवर्णनम् तक **ईकाई 4 -** क. कादम्बरी कथामुखम् - विन्ध्याटवी वर्णनम् से अन्त तक ख. मेघदूतम् - पूर्वमेघः **ईकाई 5 -** मेघदूतम् - उत्तरमेघः **सन्दर्भग्रन्थ -** • नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग - बद्रीनाथ मालवीय • नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग - तरिणीश झा • मेघदूतम् - संसारचन्द्र • मेघदूतम् - जनार्दन शास्त्री • कादम्बरी कथामुखम् - रतिनाथ झा • कादम्बरी कथामुखम् - डॉ. अनुराग शुक्ल	4	T	25	75
A0201005T		अथवा - चतुर्थ प्रश्नपत्र आधुनिक काव्य **ईकाई 1 -** **ईकाई 2 –** **ईकाई 3 –** **ईकाई 4 -** **ईकाई 5 -** **सन्दर्भग्रन्थ –**				

02201006P	RESEARCH PROJECT/ DISSERTATION	लघुशोधप्रबन्ध / मौखिकी परीक्षा	10	P	50	50

NOTE:

1. Do **not mark any Code/Information in** Column-A, it will be indorsed by **the University.**
2. T/P in Column-E stands for **Theory/Practical**.
3. CIE in Column-F stands for **'Continuous Internal** Evaluation' and depicts the maximum internal marks. Respective examination will be conducted by subject teacher.
4. ETE in Column-G stands for **'External Evaluation'** and depicts the maximum external marks. Respective Examination will be conducted by the University.
5. Column-B defines the nature of course/paper. The word CORE herein stands for **Compulsory Subject** Paper.
6. Column-D depicts the credits assigned for the corresponding course/paper.
7. **First Elective:** It will be a Subject Elective. Students may select one of the two subject papers under this category.
8. **Second Elective:** It will designate a Practical Paper or equivalently a Field Visit or Project Presentation. In case of Field Visit, student is required to submit a detailed report of the visit for the purpose of evaluation. The report should include the observational features and benefits of the visit. In case of Project Presentation, the student may be assigned to go for a survey/practical or theoretical project/assignment or seminar with presentation.
9. **Third Elective:** It will be a Subject Elective. Students may select one of the two subject papers under this category.
10. **Fourth Elective:** It will accommodate a practical paper or Industrial Training or Project Presentation. In case of Industrial Training, student may be allowed for the summer training and is required to submit a detailed training report including training certificate for the evaluation.
11. **Fifth Elective:** It will be a Subject Elective. Students may select one of the two subject papers under this category.
12. **Sixth Elective:** It will be a Practical Paper or equivalently a Project Presentation based on Survey/ Seminar/ Assignment. In case of Project Presentation, student has to submit an exhaustive report on respective topic and to face an open presentation for the evaluation.
13. **Seventh Elective:** It will be a Generic Elective. The student may study or receive training of the any subject of his interest (depends on the availability in his institution of enrollment).
14. **Master Research Project:** It will be a Major Research Project or equivalently a research-oriented Dissertation on the allotted topic. The student will have to complete his/her research project under any supervisor. The supervisor and the topic for research project shall be allotted in second semester. The student straight away will be awarded 05 credits if he publishes a research paper on the topic of Research Project or Dissertation.